nwda.gov.in

'दिल्ली में भूजल की स्थिति में सुधार, सालाना रीचार्ज प्रतिशत भी बढ़ गया'

DJB ने NGT में किया दावा, भूजल दोहन भी घटा

AI generated image

Prachi.Yadav@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** राष्ट्रीय राजधानी अब जल संकट से उबरती हुई नजर आ रही है। जल बोर्ड के दावे के मुताबिक, पिछले छह सालों में भूजल दोहन घटा है। इमारतों के जरिए बारिश के पानी को संचित करने की कोशिशें काफी तेजी से चल रही हैं और 64 जलाशयों के जीर्णोद्धार की प्रक्रिया में 39 का काम पूरा हो चुका है।

डीजेबी में एसई(एम) प्रीति पंत ने एनजीटी के एक आदेश के अनुपालन में पेश रिपोर्ट में ये सारे दावे किए। मामला पहाड़गंज इलाके में मौजूद 536 होटलों और गेस्ट हाउसों में भूजल के अवैध दोहन के आरोपों से जुड़ा है। इस पर एनजीटी के 8 अप्रैल 2021 के आदेश पर अमल के लिए दायर अर्जी के संबंध में डीजेबी ने यह रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में डीजेबी ने कार्रवाई को लेकर अपनी शक्तियों और शहर में भूजल के प्रबंधन और नियंत्रण के संबंध में अपनी जिम्मेदारियों का ब्योरा दिया।

बोर्ड ने ट्रिब्यूनल को बताया कि जांच में 257 होटल/गेस्ट हाउस वाले सक्षम प्राधिकार से मंजूरी लिए बिना जमीन से पानी खींचते हुए पाए गए। दावा किया कि 2014-15 में जल बोर्ड ने वॉलेंटरी डिस्क्लोजर स्कीम लागू की थी, जिसके अनुपालन में अब तक 155 होटलों ने जवाब दिया है। बोर्ड ने शहरभर की स्थिति को भी एनजीटी के सामने रखा और अपना गुडवर्क दिखाने की कोशिश की।

रेन वॉटर हार्वेस्टिंग

डीजेबी का दावा है कि शहर में 10,704 RWHS में से 8793 लग चुके हैं। इनमें 594 डीजेबी ने खुद लगाए हैं। अन्य द्वारा 89, स्कूल और कॉलेजों में 4549 में से 4144 RWHS लगाए जा चुके हैं।

जलाशय

64 जलाशयों को फिर से जीवित करने का काम चल रहा है। इनमें से 39 जलाशयों के कायाकल्प का काम पूरा हो गया है। 25 जलाशयों के लिए जल्द ही टेंडर जारी करने का बोर्ड ने दावा किया है।

ट्रीटेड वेस्ट वॉटर

ट्रीटेड वेस्ट वॉटर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल सिंचाई, बागवानी और औद्योगिक इस्तेमाल के लिए होता है। जल बोर्ड ने दावा किया कि अभी सिंचाई विभाग, पावर प्लांट और सीपीडब्ल्यूडी द्वारा सिंचाई के कामों के लिए वह 89 MGD ट्रीटेड वॉटर सप्लाई करता है।

99.13% पर पहुंचा भूजल दोहन

जल बोर्ड ने कहा कि 2017 में सालाना भूजल दोहन 119.61 प्रतिशत था, जो 2023 में घटकर 99.13 प्रतिशत पर आ गया है। सालाना कुल भूजल रीचार्ज में भी बढ़ोतरी है। 2017 में ग्राउंडवॉटर रिचार्ज 0.32 बिलियन क्यूबिक मीटर था। 2023 में 0.38 बिलियन क्यूबिक मीटर पर पहुंच गया है।